हरिभूमि
# सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

तापमान
अधिकतम 43 .0 डिग्री से.
न्यूनतम 26 .0 डिग्री से.

11 वार्ड-16 में समस्याओं का अंबार, लोग परेशान

12 शौचालयों को बदहाली से मुक्ति दिलाने की तैयारी

# ईंटों से भरे ट्रक से स्विफ्ट डिजायर कार टकराई मेरठ के कारोबारी सहित पत्नी और बेटी की मौत

■ केएमपी एक्सप्रेस-वे पर पिपली टोल प्लाजा के पास भीषण हादसा, युवक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे पर पिपली टोल प्लाजा के पास शनिवार शाम सड़क हादसे में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि हादसा स्विफ्ट डिजायर कार के सड़क पर ईंटों से भरे ट्रक के साथ टक्कर के कारण हुआ। हादसे से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। एक साथ परिवार के 3 लोगों की मौत से मेरठ व दिल्ली में रहने वाले परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बता दें कि उत्तर प्रदेश के जिला मेरठ स्थित वेदव्यास पुरी के गणपति एन्क्लेव निवासी एक 65 वर्षीय कारोबारी पवन गर्ग, 62 वर्षीय पत्नी शकुंतला, 43 वर्षीय बेटी अंजू बंसल व भांजे शिवम के साथ शाम करीब 4:30 बजे स्विफ्ट डिजायर कार में कैथल के गांव कलायत की तरफ जा रहे थे। बताया जा रहा है कि कलायत में शकुंतला का मायका है।

■ कैथल के कलायत जा रहा था परिवार
■ राहगीरों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, मृत घोषित

उनकी बेटी अंजू भी इन दिनों अपने मायके मेरठ में आई हुई थीं। अंजू दिल्ली के नंदनगरी क्षेत्र में जीटीबी एन्क्लेव स्थित जनता फ्लैट्स रहती थी। जब शाम 4:30 बजे कार में सवार परिवार ने पिपली टोल प्लाजा पार किया। इसके बाद देखते ही देखते कार एक्सप्रेस-वे पर तीसरी लेन ईंटों से भरे ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर लग गई। राहगीरों ने क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे 3 बेसुध लोगों को बाहर निकाला। इस दौरान गंभीर रूप से घायल शिवम होश में था।

## युवक पीजीआई रेफर

कार से निकाले गए घायलों को जब खरखौदा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, तो वहां चिकित्सक ने कारोबारी पवन गर्ग, पत्नी शकुंतला, बेटी अंजू को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल यमुनानगर निवासी शिवम को प्राथमिक उपचार देने के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि परिजन शिवम को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल लेकर गए।

# हाइड्रोजन ट्रेन के आगे कूदा युवक, नहीं हुई शिनाख्त

■ युवक का सिर धड़ से अलग हुआ एक हाथ का कंधा भी टूटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत से दिल्ली की तरफ जा रही देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रायल के दौरान शनिवार दोपहर को मोहन नगर, बाबा कॉलोनी स्थित अंडरपास के पास एक युवक ने गाड़ी के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही जीआरपी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया। जीआरपी मृतक की शिनाख्त के लिए प्रयास में जुट गई है।

जांच अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि दिल्ली-सोनीपत रूट पर दो दिन से हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल चल रहा है। शनिवार दोपहर दोपहर 12.40 बजे हाइड्रोजन ट्रेन सोनीपत से सब्जी मंडी के लिए रवाना हुई। इसके बाद करीब 12.50 बजे उन्हें सूचना मिली कि किसी युवक ने हाइड्रोजन ट्रेन के आगे आकर आत्महत्या कर ली है। टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू करते हुए मृतक की शिनाख्त के काफी प्रयास किए, लेकिन पहचान नहीं हो पाई। प्रारंभिक जांच में युवक की उम्र करीब 35 वर्ष आंकी गई है, कद लगभग 5 फुट 6 इंच, रंग गेहुआं था। शरीर पर कबूतरी रंग की टी-शर्ट व नीले रंग की कैप्रीनुमा जींस मिली, जिसके दोनों तरफ सफेद पट्टियां बनी थीं। दाहिने हाथ में लाल रंग का कलावा और बाएं पैर में काला धागा बंधा हुआ था। जांच अधिकारी ने बताया कि ट्रेन की चपेट में आने से सिर धड़ से अलग हो गया था। दाहिना हाथ भी कंधे से टूट गया था।

## खबर संक्षेप

### ठेके में सेंध लगाकर नकदी व शराब चोरी

**गोहाना।** गांव महमूदपुर स्थित शराब के ठेके में चोरों ने सेंध लगाकर नकदी व शराब चोरी कर ली। ठेकेदार प्रवीन ने बताया कि ठेके पर लगाए गए कंटेनर में सेल्समैन अनिल रात को सो रहा था। सुबह उसे चोरी का पता चला। सीसीटीवी जांच में सामने आया कि गांव का ही एक युवक कंटेनर के पिछले हिस्से की लोहे की शीट काटकर अंदर घुसा और करीब 35 हजार रुपये व देसी शराब की दो बोतलें चोरी कर ले गया। शिकायत के आधार पर सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले के जांच अधिकारी ने कहा कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

### दुकान का ताला तोड़कर नकदी, घी व सामान चोरी

**गोहाना।** गांव कथूरा में चोरों ने एक किराना दुकान का ताला तोड़कर नकदी व अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित सत्यपाल ने बताया कि वह 23-24 जून की रात दुकान बंद कर घर गया था। सुबह लौटने पर दुकान का ताला टूटा मिला। जांच में गल्ले से 28 हजार रुपये नकद, 14 लीटर घी, 12 लीटर मधुसूदन घी और चॉकलेट गायब मिलीं। बरोदा थाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### रिढाऊ में रंजिश में युवक पर हमला

**खरखौदा।** रिढाऊ में रंजिश को लेकर एक परिवार के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता अनिल निवासी गांव रिढाऊ ने पुलिस को बताया कि 24 जून की शाम उसका बेटा रोहित अपनी भैंस लेकर गांव के तालाब की ओर जा रहा था। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने उसे रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी और ईंट, पत्थर, लोहे की रॉड व डंडों से हमला कर दिया। शिकायत के अनुसार कुछ समय बाद जब उसका दूसरा पुत्र साहिल घर लौट रहा था तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। घटना के बाद परिवार ने डायल-112 पर सूचना दी । जब इलाज के लिए सरकारी अस्पताल खरखौदा जा रहा था तो सिलाना गांव के पास दो आरोपियों ने उनकी बाइक के आगे अपनी गाड़ी लगाकर रास्ता रोक लिया। पीड़ित परिवार किसी तरह वहां से बचकर निकल गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर गांव रिढाऊ निवासी अमरजीत, शीला, प्रीति, मोहित, बिजेंद्र उर्फ बिल्लू, विकास और गीता के खिलाफ केस दर्ज किया है।

## अवकाश के दिन भी खुला कार्यालय, 30 तक टैक्स भरने पर ब्याज में 100% छूट

# 126 उपभोक्ताओं ने 10.26 लाख रुपये प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाया

निगम का लक्ष्य 40 करोड़, अभी तक 15 करोड़ ही जमा हो पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

कई वर्ष से प्रॉपर्टी टैक्स न भरने वाले उपभोक्ताओं को शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने 30 जून तक ब्याज मुक्त राशि चुकाने की विशेष छूट दी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा शहरवासी इस योजना का लाभ उठा सके। ऐसे में अगर उपभोक्ता 30 जून तक अपना बकाया प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवा देते हैं, तो उन्हें 100 प्रतिशत ब्याज मुक्त की राहत दी जाएगी। इसको लेकर नगर निगम प्रशासन की ओर से अवकाश के दौरान भी संबंधित शाखाओं को खुला रखने के निर्देश दिए गए हैं। शनिवार को अवकाश के बीच शहर के 126 उपभोक्ताओं ने प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में निगम कार्यालय में करीब 10.26 लाख रुपये की राशि जमा करवाई। इस बीच एक उपभोक्ता ऐसा भी सामने आया, जिसने अकेले 2.10 लाख रुपये प्रॉपर्टी टैक्स राशि जमा करवाई। इस दौरान कार्यरत करीब 20 कर्मचारियों ने उपभोक्ताओं की त्रुटियों को भी मौके पर ठीक किया गया।

मेयर राजीव जैन ने निगम के नागरिक सुविधा केंद्र का निरीक्षण कर कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही सहायक आयुक्त विजय यादव के साथ कई उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनकर उन्हें दूर करवाया। मेयर ने बताया कि सरकार ने ब्याज माफी की योजना काफी लंबे समय के बाद दी गई है। ऐसे में कई लोगों को करीब आधी राशि का लाभ मिल रहा है। प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने का कार्य 28 व 29 जून को अवकाश के बावजूद कार्य जारी रहेगा। बता दें कि निगम क्षेत्र में करीब 75484 रिहायशी प्रॉपर्टी हैं। इनमें करीब 43110 प्लॉट, 10927 व्यवसायिक भवन शामिल हैं। करीब 8583 भवनों में रिहायशी के साथ दुकानों का संचालन हो रहा हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स के 40 करोड़ के लक्ष्य के आसपास भी नहीं पहुंच पाया है। फिलहाल 15 करोड़ रुपये ही प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में एकत्रित हो पाई है।

## 20 कर्मचारियों ने टैक्स जमा करवाने के साथ लोगों की समस्याओं का किया निदान

सोनीपत। नागरिक सुविधा केंद्र में निरीक्षण के दौरान लोगों की समस्या सुनते मेयर राजीव जैन।

### सप्ताह में हो सकता है सफाई टेंडर

नगर निगम ने शहर में सड़कों की सफाई का टेंडर खत्म होने के बाद कूड़ा उठान के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी करने तक डोजर व ट्रैक्टर-ट्रालियों को किराए पर लिया है, ताकि कूड़े के ढेर का उठान नियमित हो सके। जिनके सहारे शनिवार को विवेकानंद चौक, सिविल अस्पताल के पीछे, पुराने हुडा कार्यालय के सामने, हेमनगर पार्क के बाहर सफाई करवाई गई। मेयर राजीव जैन ने बताया कि अगले सप्ताह तक सफाई टेंडर आवंटित होने की संभावना है, तब तक वैकल्पिक व्यवस्थाओं से काम जारी है।

### ये बोले अधिकारी

सरकार ने योजना के तहत वर्ष 2010-11 से 2024-25 तक लंबित प्रॉपर्टी टैक्स को 30 जून तक जमा करवाने करवाने की छूट प्रदान की है। उपभोक्ता 100 प्रतिशत ब्याज माफ के साथ प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवा सकते हैं। इसके लिए अवकाश के दौरान भी निगम कार्यालय में शाखा को खोला गया है।
-हर्षित कुमार, आयुक्त, नगर निगम

## आधार व फैमिली आईडी में त्रुटियों से लोग परेशान

■ बागरू की छात्रा मीनू का एक साल से आधार अपडेट नहीं, सुविधाएं को तरसी

**सोनीपत।** बागड़ गांव की दसवीं कक्षा की छात्रा मीनू का आधार कार्ड पिछले एक वर्ष से अपडेट नहीं होने और रिकॉर्ड में निरस्त (कैंसिल) दिखने के कारण उसे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने एडीसी कार्यालय में शिकायत देकर मामले के समाधान की मांग की। जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने बताया कि मीनू बीपीएल परिवार से संबंध रखती है। उसके पिता विकास मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं और अपनी बेटी की पढ़ाई का खर्च भी उठा रहे हैं। आधार कार्ड अपडेट नहीं होने के कारण छात्रा को सरकार की विभिन्न सुविधाओं का लाभ नहीं मिल रहा, जिससे परिवार लंबे समय से परेशान है। उन्होंने कहा कि परिवार पिछले एक साल से सरकारी कार्यालयों और एडीसी कार्यालय के चक्कर काट रहा है, लेकिन बार-बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। संजय बड़वासनिया ने आरोप लगाया कि आधार कार्ड और फैमिली आईडी में त्रुटियां ठीक कराने के लिए लोग सरकारी कार्यालयों में चक्कर लगाने पर मजबूर है।

# ठंडा मांगने पर विवाद, युवकों ने ढाबा कर्मचारियों से की मारपीट

■ लाठी-डंडों के हमले में एक कर्मचारी पीजीआई रेफर

**गोहाना।** रोहतक-पानीपत हाईवे स्थित गांव चिड़ाना में ढाबे पर ठंडा मांगने को लेकर विवाद हो गया। छह-सात युवकों ने ढाबा कर्मियों के साथ मारपीट कर दी।

घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे पीजीआइ रोहतक रेफर किया गया। सदर थाना में केस दर्ज किया गया। पानीपत के गांव मनाना के रणबीर ने पुलिस को बताया कि उसके साले देवेंद्र ने गांव चिड़ाना में श्री श्याम नाम से ढाबा कर रखा है। वह नौ वर्षों से ढाबे पर रहता है। रात को कुछ युवक आधा लीटर ठंडा मांगने आए। मना करने पर उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। उसके द्वारा अन्य कर्मियों को बुलाने पर आरोपितों ने रास्ता रोककर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर दिया। शोर सुनकर उसके पास आए सोनू, शमशेर, तोताराम व अन्य कर्मियों से भी मारपीट की गई।

वह शमशेर और तोताराम घायल हो गए। तीनों को नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां से तोताराम को पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया।

## धान लगाने आए प्रवासी मजदूर की संदिग्ध हालात में मौत

**खरखौदा।** गांव खांडा में धान की जीरी लगाने आए एक प्रवासी मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान नैय्यर (42) निवासी गांव चैनपुरा मसुरिया, जिला अररिया (बिहार) के रूप में हुई है। नैय्यर सहित 17 प्रवासी मजदूर एक दिन पहले गांव खांडा निवासी सतीश के यहां धान की जीरी लगाने के कार्य के लिए आए थे। साथी मजदूरों ने बताया कि शनिवार सुबह करीब चार बजे नैय्यर उठकर जागा था, जिसके बाद वह दोबारा सो गया। सुबह जब उसे उठाने का प्रयास किया गया तो वह अचेत अवस्था में मिला। इसके बाद साथी मजदूर उसे तुरंत खरखौदा के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में शव को सरकारी अस्पताल खरखौदा लाया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## कार की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

**गन्नौर।** पुरखास-डबरपुर मार्ग पर कार की टक्कर से बाइक सवार एक फैक्ट्री कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए बीपीएस खानपुर कला में दाखिल कराया गया है। घायल के बेटे ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस को दी शिकायत में सिटावली गांव के हरेंद्र ने बताया कि उसके पिता तिलकराज 25 जून की रात फैक्ट्री से ड्यूटी समाप्त कर बाइक से घर लौट रहे थे। आरोप है कि डबरपुर की ओर से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही लाल रंग की कार ने उनकी बाइक में सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शी ने कार चालक की पहचान डबरपुर निवासी राहुल के रूप में की है। पुलिस ने शिकायतपर आरोपित चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले के जांच अधिकारी ने बताया कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जाएगी।

लड़सौली की होनहार ने रचा इतिहास

# फ्लाइंग ऑफिसर बनकर गांव पहुंचीं शिवानी मोर का जोरदार स्वागत

विधायक देवेंद्र कादियान बोले, शिवानी बेटियों की प्रेरणास्त्रोत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गांव लड़सौली की बेटी शिवानी मोर के भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनने पर शनिवार को गांव में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र कादियान मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और उन्होंने शिवानी मोर को माला पहनाकर सम्मानित किया। ग्रामीणों ने भी विधायक का फूलमालाओं से स्वागत किया। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि किसान परिवार की बेटी का भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि शिवानी ने अपनी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से यह उपलब्धि हासिल कर साबित किया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। उन्होंने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और देश की सुरक्षा जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को भी पूरी निष्ठा से निभा रही हैं। शिवानी की सफलता गांव के अन्य युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि प्रियव्रत, कालू मोर, कृष्ण, गरिन्दर मास्टर, सुंदर, अनिल, पालेराम, संजय, सुरेश मास्टर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गन्नौर। फ्लाइंग ऑफिसर शिवानी मोर का स्वागत करते विधायक और ग्रामीण।

# पुनर्मूल्यांकन के बाद प्राची ने प्रदेश में पाया 10वां स्थान

भिवानी बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में प्राची के नंबर बढ़कर 490 हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

जेएलएन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की मेधावी छात्रा प्राची ने पुनर्मूल्यांकन में मात्र एक अंक की बढ़ोतरी के बाद कक्षा 10वीं में हरियाणा प्रदेश में 10वां स्थाल प्राप्त कर लिया। विद्यालय के एमडी सुनील शर्मा और प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने छात्रा को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छात्रा प्राची पुत्री सोनू ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अंतर्गत कक्षा 10वीं की परीक्षा में 489 अंक प्राप्त करके विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया था। अब प्राची ने पुनर्मूल्यांकन के बाद 490 अंक प्राप्त कर न केवल विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया बल्कि प्रदेश में दसवें स्थान पर अपना नाम दर्ज कराया है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने परीक्षा परिणामों पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि दसवीं कक्षा में कुल 93 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से 79 ने मेरिट प्राप्त की थी। 38 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत, 72 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत तथा 79 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।

South Point
GROUP OF EDUCATION
(DELHI-NCR) SONEPAT
98120 20033, 98124 21919, 90344 72910
ADMISSIONS OPEN
Sunday Open
SOUTH POINT INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT
B.Tech / LEET (CSE, ECE, MECHANICAL, CIVIL)
M.Tech (CSE, ECE) • BBA, BCA, MBA, MCA
SOUTH POINT SCHOOL OF POLYTECHNIC
Diploma / LEET (CSE, ECE, ELECTRICAL, MECHANICAL, CIVIL, MLT)
SOUTH POINT COLLEGE OF LAW B.A. LL.B (Hons.), L.L.B. (Hons.), LLM
SOUTH POINT DEGREE COLLEGE
B.A., B.Sc. - Medical/Non-Medical (NEP), B.Com, M.Com, PGD (Yoga)
M.Sc. (Phy., Chem., Maths) • M.A. (English, Hindi, History, Pol. Science)
SOUTH POINT P.G. COLLEGE OF EDUCATION
B.Ed., M.Ed., JBT / D.Ed., B.P.Ed.
SOUTH POINT COLLEGE OF PHARMACY
D.Pharm, B. Pharm / LEET
SOUTH POINT COLLEGE OF NURSING
B.Sc. (Nursing)
CBSE AFFILIATED SR. SEC. SCHOOLS

DILBAG S. KHATRI
Chairman
www.southpoint.net.in

# मुंबई-दिल्ली नहीं, बल्कि छोटे शहर भी बन रहे हैं निवेश के हब

## 40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से, पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में दावा : हर महीने 3 अरब डॉलर का निवेश

## अगले दशक में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति का हस्तांतरण, भारतीय बाजारों को मिलेगा बड़ा फायदा, निवेशक भी होंगे मालामाल

**निवेश मंत्रा**

बिजनेस डेस्क

भारत में निवेश का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अब केवल महानगर ही नहीं, बल्कि टियर-2, टियर-3 और टियर-4 शहर भी निवेश वृद्धि के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। प्राइसवाटरहाउसकूपर्स (पीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में शुरू होने वाले 40 फीसदी से अधिक नए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) छोटे शहरों से आ रहे हैं। मासिक एसआईपी निवेश 3 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जो भारतीय शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी उपलब्ध करा रहा है। भारतीय निवेश बाजार में छोटे शहरों की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय बाजारों को खुदरा निवेशकों और हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) दोनों वर्गों की बढ़ती भागीदारी का लाभ मिलेगा। भारत में वर्तमान में हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश आ रहा है। पीडब्ल्यूसी ने इसे प्राइस इंसेंसिटिव इक्विटी फ्लो बताया है, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक नियमित निवेश जारी रखे हुए हैं। इससे शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी मिल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू निवेशकों की बढ़ती ताकत भारतीय बाजार को वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाने में भी मदद कर रही है। देश में डिजिटल क्रांति ने निवेश के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां निवेश की सुविधा मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित थी, वहीं अब मोबाइल ऐप, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल केवाईसी जैसी सुविधाओं ने छोटे शहरों के लोगों को भी बाजार से जोड़ दिया है। यही वजह है कि अब निवेश का नया केंद्र छोटे शहर और कस्बे बनते जा रहे हैं।

### क्या कहता है अनुमान

रिपोर्ट के अनुसार अगले 10 वर्षों में भारत में 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होगी। इस वेल्थ ट्रांसफर का बड़ा हिस्सा वित्तीय उत्पादों, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और वेल्थ मैनेजमेंट सेवाओं की ओर जा सकता है। पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत में एचएनआई आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संपत्ति हस्तांतरण भारतीय वित्तीय क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा। नई पीढ़ी पारंपरिक निवेश साधनों की तुलना में शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और अन्य आधुनिक वित्तीय उत्पादों में अधिक रुचि

दिखा रही है। इससे निवेश उद्योग को नई गति मिलने की संभावना है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को भी रिपोर्ट में निवेश वृद्धि का प्रमुख आधार बताया गया है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और एआई आधारित वित्तीय सेवाओं ने निवेश को आसान और सुलभ बनाया है। यही कारण है कि छोटे शहरों से निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

### रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- 40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से।
- हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश।
- अगले 10 वर्षों में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की पीढ़ीगत संपत्ति हस्तांतरण की संभावना।
- 2030 तक भारत में हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ने का अनुमान।
- भारत वैश्विक निवेशकों और भारतीय पूंजी के लिए दोतरफा निवेश गलियारा बन रहा है।

### छोटे शहरों से क्यों बढ़ रहा निवेश

- इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच में तेजी
- डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार
- म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती पहुंच
- युवाओं में निवेश के प्रति जागरूकता
- वित्तीय शिक्षा और निवेश अभियानों का असर
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बना ताकत

### क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार भारत का मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, बड़ी एआई इंजीनियरिंग प्रतिभा, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और नवाचार आधारित वित्तीय प्रणाली उसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों से आगे खड़ा करती है। देश में मौजूद विशाल डिजिटल नेटवर्क निवेशकों को कम लागत और कम समय में वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। जीआईएफटी सिटी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय निवेश अवसरों को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह भारत के लिए एक समयबद्ध अवसर है, जो देश को वैश्विक वित्तीय सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

### एशिया-प्रशांत में भारत की बढ़त

पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि 2026 से 2030 के बीच एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एसेट और वेल्थ मैनेजमेंट बाजार 6.8 फीसदी की वार्षिक दर से बढ़ेगा। यह उत्तर अमेरिका के 6.2 फीसदी और यूरोप के 5.6 फीसदी की तुलना में अधिक है। भारत इस वृद्धि का प्रमुख लाभार्थी बन सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत आर्थिक विकास, युवा आबादी और बढ़ती आय भारत को निवेश के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में शामिल कर रही है।

### निवेश के उभरते अवसर

म्यूचुअल फंड, पैसिव फंड, शेयर बाजार, वैकल्पिक निवेश, प्राइवेट क्रेडिट, वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएं, वैकल्पिक निवेश में बड़ा अवसर

### निवेशकों के लिए संकेत

विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे शहरों से बढ़ती निवेश भागीदारी बाजारों को अधिक गहराई और स्थिरता प्रदान करेगी। बढ़ती वित्तीय जागरूकता, डिजिटल पहुंच और लंबी अवधि की निवेश संस्कृति आने वाले वर्षों में भारतीय पूंजी बाजारों की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। यदि मौजूदा रुझान जारी रहता है तो भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक मजबूत स्थिति में दिखाई देगा और घरेलू निवेशक इसकी सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरेंगे।

# निवेश विशेषज्ञ अब दे रहे सोने से दूर रहने की सलाह

**सुझाव**

बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ वर्षों में सोने ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और डॉलर पर घटते भरोसे जैसे कारणों से सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। लेकिन अब एक ऐसे निवेश विशेषज्ञ, जिनकी पिछली कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं, निवेशकों को सोने से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। मौजूदा स्तर पर सोना आकर्षक निवेश नहीं रह गया है। उनके अनुसार इक्विटी और डेट मार्केट फिलहाल निवेशकों के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर रहे हैं। नवंबर 2023 में जब निवेशकों का भरोसा सोने पर कमजोर था और बाजार में नकारात्मक माहौल था, तब बुलियन में निवेश की जोरदार पैरवी की थी। बाद में चांदी की कीमतों को लेकर भी उनकी चेतावनी काफी हद तक सही साबित हुई। अब उनका कहना है कि जो परिस्थितियां पहले सोने के पक्ष में थीं, वे काफी हद तक बदल चुकी हैं। इसलिए नए निवेश के लिए सोना उनकी प्राथमिकता नहीं है।

### ईटीएफ निवेश ने बढ़ाई कीमतें

हाल की तेजी में केवल केंद्रीय बैंकों की खरीदारी ही नहीं, बल्कि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में आए बड़े निवेश का भी योगदान रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब किसी एसेट में अत्यधिक उत्साह पैदा हो जाता है, तो उसके रिटर्न की संभावनाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

### इक्विटी में दिख रहा बेहतर मूल्यांकन

भारतीय शेयर बाजार में 2024 के दौरान वैल्यूएशन काफी महंगे हो गए थे। लेकिन बाद की गिरावट और करेक्शन के बाद अब कई सेक्टर और कंपनियां अधिक उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। उनके अनुसार अगले 3 से 5 वर्षों में इक्विटी बाजार सोने की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है। खासकर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण हो सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत विकास दर, बढ़ता घरेलू निवेश और कॉरपोरेट आय में सुधार की संभावनाएं इक्विटी बाजार के पक्ष में नजर आती हैं। यही वजह है कि कई फंड मैनेजर अब सोने की बजाय शेयर बाजार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

### बेहतर यील्ड का फायदा

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान समय में डेट मार्केट भी निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर रहा है। ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड के मौजूदा स्तर कई निवेशकों के लिए अच्छा जोखिम-रिटर्न संतुलन पेश कर रहे हैं। डेट निवेश उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है जो नियमित आय, अपेक्षाकृत कम जोखिम और पोर्टफोलियो में स्थिरता चाहते हैं।

### 10 लाख हों तो क्या करें?

यदि किसी निवेशक के पास 10 लाख रुपये निवेश के लिए उपलब्ध हैं, तो फिलहाल सोने में अतिरिक्त निवेश से बचना बेहतर हो सकता है। इसके बजाय राशि को इक्विटी और डेट निवेश के बीच संतुलित रूप से बांटना अधिक उपयुक्त रणनीति हो सकती है। हालांकि निवेश का अनुपात प्रत्येक व्यक्ति की उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

### क्या सोने को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए?

यह समझना जरूरी है कि किसी विशेषज्ञ द्वारा सोने को कम आकर्षक बताने का अर्थ यह नहीं है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो से सोना पूरी तरह हटा दें। वित्तीय योजनाकार आमतौर पर कुल पोर्टफोलियो का 5% से 10% हिस्सा सोने में रखने की सलाह देते हैं ताकि विविधीकरण बना रहे। सोना अब भी भू-राजनीतिक संकट, मुद्रास्फीति और बाजार की अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम कर सकता है। लेकिन वर्तमान मूल्य स्तरों पर असाधारण रिटर्न की उम्मीद करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

### क्यों बदल गया सोने का निवेश समीकरण?

**पहले वैल्यूएशन आकर्षक था :** विशेषज्ञों के अनुसार कुछ साल पहले सोना अपेक्षाकृत कम कीमतों पर उपलब्ध था। उस समय डी-डॉलराइजेशन, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और वैश्विक आर्थिक चिंताओं जैसे कारक सोने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहे थे। हालांकि आज स्थिति अलग है। पिछले वर्षों की तेज बढ़त के बाद सोने की कीमतों में काफी वृद्धि हो चुकी है और निवेशकों का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया है। ऐसे माहौल में आगे की तेजी की संभावना सीमित हो सकती है।

# नॉर्मल, फिक्स्ड टॉप-अप और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

- छोटी बढ़ोतरी से करोड़ों का बन सकता है अतिरिक्त फंड
- 25 साल में रिटर्न का बड़ा अंतर, आय बढ़ने के साथ एसआईपी बढ़ाना जरूरी
- 10 हजार रुपये की मासिक एसआईपी पर वैरिएबल टॉप-अप से बन सकता है 4.46 करोड़ तक का फंड

म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय और आसान तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) माना जाता है। छोटी-छोटी रकम को नियमित रूप से निवेश कर लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में एसआईपीनि वेशकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि केवल एसआईपी शुरू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय के साथ निवेश राशि को बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बढ़ती आय के साथ यदि एसआईपी राशि भी बढ़ाई जाए तो लंबी अवधि में रिटर्न कई गुना बढ़ सकता है। निवेशकों के लिए सामान्य तौर पर तीन प्रकार की एसआईपी रणनीतियां उपलब्ध हैं। इनमें नॉर्मल एसआईपी , फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी शामिल हैं। तीनों का उद्देश्य नियमित निवेश करना है, लेकिन निवेश राशि बढ़ाने के तरीके और अंतिम फंड में काफी अंतर देखने को मिलता है।

### क्या है नॉर्मल एसआईपी

नॉर्मल एसआईपी सबसे सामान्य और पारंपरिक निवेश विकल्प है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करता है और पूरी अवधि के दौरान यह राशि समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति ने 10,000 रुपये मासिक एसआईपी शुरू की है तो अगले वर्ष और उसके बाद भी वह हर महीने 10,000 रुपये ही निवेश करेगा। नॉर्मल एसआईपी उन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती है जो निवेश में सरलता चाहते हैं और अपनी मासिक बचत को एक निश्चित सीमा में रखना पसंद करते हैं। हालांकि इसमें एक कमी यह है कि आय बढ़ने के बावजूद निवेश राशि नहीं बढ़ती, जिससे लंबी अवधि में संभावित फंड का आकार सीमित रह सकता है।

**जानकारी**

बिजनेस डेस्क

### नॉर्मल एसआईपी की विशेषताएं

- हर महीने एक निश्चित राशि का निवेश
- निवेश प्रक्रिया सरल और आसान
- बजट प्रबंधन में सुविधा
- नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प
- आय बढ़ने का पूरा लाभ निवेश में नहीं जुड़ता

### क्या है फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी उन निवेशकों के लिए बनाई गई है जो अपनी एसआईपी राशि को समय-समय पर बढ़ाना चाहते हैं। इसमें निवेशक हर वर्ष अपनी मासिक एसआईपी में एक निश्चित रकम जोड़ता है। यह बढ़ोतरी पहले से तय होती है और हर साल समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई निवेशक 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और हर साल 1,000 रुपये का टॉप-अप चुनता है, तो अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये, फिर 12,000 रुपये और उसके बाद 13,000 रुपये हो जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह विकल्प उन वेतनभोगी लोगों के लिए अच्छा है जिन्हें हर साल नियमित वेतन वृद्धि मिलती है। इससे आय बढ़ने के साथ निवेश भी बढ़ता रहता है और लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार करने में मदद मिलती है।

### फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी के फायदे

- हर साल निवेश राशि में बढ़ोतरी
- वेतन वृद्धि का लाभ निवेश में शामिल
- लंबी अवधि में अधिक संपत्ति निर्माण
- निवेश योजना पहले से तय रहती है
- वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने में मदद

### क्या है वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी सबसे उन्नत और आक्रामक एसआईपी रणनीति मानी जाती है। इसमें निवेशक हर साल अपनी एसआईपी राशि को एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर बढ़ाता है। यह प्रतिशत 5, 10 या 15 फीसदी हो सकता है। मान लीजिए किसी निवेशक ने 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की और 10 फीसदी वार्षिक टॉप-अप चुना। ऐसे में अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये होगी। दूसरे साल यह 12,100 रुपये और तीसरे साल 13,310 रुपये तक पहुंच जाएगी। यानी हर साल बढ़ी हुई राशि पर भी वृद्धि का लाभ मिलता है।

### वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी बेहतर क्यों

- प्रतिशत आधारित वृद्धि
- बढ़ी हुई राशि पर भी कंपाउंडिंग का लाभ
- लंबी अवधि में सबसे अधिक फंड बनने की संभावना
- बढ़ती आय वाले युवाओं के लिए उपयुक्त
- महंगाई के प्रभाव को संतुलित करने में मदद

### 25 साल में कितना बन सकता है फंड

यदि कोई निवेशक 25 वर्षों तक हर महीने 10,000 रुपये से निवेश शुरू करता है तो तीनों एसआईपी विकल्पों में अंतिम फंड का आकार काफी अलग हो सकता है।

| एसआईपी | कुल निवेश | |
|---|---|---|
| नॉर्मल | 30 लाख रु. | 2.27 करोड़ रु. |
| फिक्स्ड टॉप-अप | 66 लाख रु. | 3.44 करोड़ रु. |
| वैरिएबल | 1.18 करोड़ रु | 4.46 करोड़ रु |

### निवेशकों के लिए सही विकल्प क्या

सही एसआईपी रणनीति का चुनाव निवेशक की आय, वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम लेने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि किसी व्यक्ति की आय सीमित है और वह निवेश को सरल रखना चाहता है तो नॉर्मल एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकती है। वहीं जिन लोगों की आय हर साल बढ़ती है, उनके लिए फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी अधिक फायदेमंद साबित हो सकती है। दूसरी ओर युवा निवेशक, पेशेवर और तेजी से बढ़ती आय वाले लोग वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा कोष तैयार कर सकते हैं।

**अलर्ट** सही अवधि का चुनाव बढ़ा सकता है रिटर्न, सुरक्षित होगा भविष्य, ब्याज दर के साथ निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य भी हैं अहम

**सही एफडी का चुनाव बढ़ा सकता है आपकी कमाई और बचत**

# 1, 3 या 5 साल... किस फिक्स्ड डिपॉजिट में मिलेगा ज्यादा मुनाफा? ब्याज दर, टैक्स और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रख करें निवेश

**समझदारी**

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की उठापटक के बीच यदि कोई निवेश विकल्प आज भी सबसे भरोसेमंद माना जाता है तो वह है फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)। पूंजी की सुरक्षा और पहले से तय रिटर्न के कारण एफडी आज भी लाखों निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई है। खासकर नौकरीपेशा, वरिष्ठ नागरिक और जोखिम से बचने वाले निवेशक एफडी को सुरक्षित निवेश मानते हैं। हालांकि एफडी में निवेश करते समय सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि 1 साल, 3 साल या 5 साल में से किस अवधि की एफडी सबसे अधिक लाभ देगी।

इसका जवाब केवल ब्याज दरों में नहीं छिपा है। सही एफडी का चुनाव आपकी वित्तीय जरूरत, निवेश की अवधि, ब्याज दरों के रुझान और टैक्स प्लानिंग पर निर्भर करता है। वर्तमान में विभिन्न सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग अवधि पर अलग ब्याज दरें दे रहे हैं। ऐसे में निवेश करने से पहले इनकी तुलना करना जरूरी हो जाता है।

### 1 साल की एफडी : कम समय के लिए बेहतर विकल्प

अगर आप अपना पैसा लंबे समय तक लॉक नहीं करना चाहते या निकट भविष्य में पैसों की जरूरत पड़ सकती है, तो 1 साल की एफडी आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। इस अवधि की एफडी में निवेशक को यह सुविधा मिलती है कि मैच्योरिटी के बाद वह उस समय की नई ब्याज दरों के अनुसार दोबारा निवेश कर सकता है। यदि भविष्य में ब्याज दरें बढ़ती हैं तो इसका फायदा भी आसानी से उठाया जा सकता है। वर्तमान में स्मॉल फाइनेंस बैंक इस अवधि में सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक 1 साल की एफडी पर 7.25 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं, जबकि इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.10 प्रतिशत की दर ऑफर कर रहा है। निजी बैंकों में यस बैंक 6.65 प्रतिशत, जबकि आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक 6.25 प्रतिशत ब्याज दे रहे हैं। सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.25 प्रतिशत और बैंक ऑफ इंडिया 6.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है।

### 3 साल की एफडी : रिटर्न व अवधि का बेहतरीन संतुलन

जो निवेशक मध्यम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और बिना बहुत लंबा इंतजार किए अच्छा रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए 3 साल की एफडी आकर्षक विकल्प मानी जाती है। इस अवधि में कई बैंक 1 साल की तुलना में अधिक ब्याज दे रहे हैं। जन स्मॉल फाइनेंस बैंक, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक और शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक 3 साल की एफडी पर 7.50 प्रतिशत तक ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं आईडीएफसी फर्स्ट बैंक 7.35 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। अगर सरकारी योजनाओं की बात करें तो पोस्ट ऑफिस की 3 वर्षीय टाइम डिपॉजिट योजना पर 7.10 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक 6.45 प्रतिशत, जबकि एसबीआई 6.30 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश कर रहा है।

### 5 साल की एफडी : टैक्स बचत

यदि आपका उद्देश्य लंबी अवधि का निवेश करना है और साथ ही आयकर में बचत भी करनी है तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी सबसे उपयुक्त विकल्प हो सकती है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत इस एफडी में निवेश करने पर सालाना 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती का लाभ लिया जा सकता है। 5 साल की अवधि में भी स्मॉल फाइनेंस बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.90 प्रतिशत, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.77 प्रतिशत और डीसीबी बैंक 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं। बड़े निजी बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक 6.50% और एचडीएफसी बैंक 6.40% ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.05 प्रतिशत, बैंक ऑफ इंडिया 6 प्रतिशत और पंजाब नेशनल बैंक 5.95 प्रतिशत ब्याज दे रहा है।

### सीनियर सिटीजन को अतिरिक्त फायदा

लगभग सभी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में 0.25 से 0.75 प्रतिशत तक अतिरिक्त ब्याज देते हैं। कई बैंक सुपर सीनियर सिटीजन के लिए भी विशेष ब्याज दरें लागू करते हैं। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों को निवेश से पहले बैंक की विशेष एफडी योजनाओं की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

### सिर्फ ब्याज दर देखकर फैसला न करें

निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी चुनते समय केवल सबसे अधिक ब्याज दर पर ध्यान देना सही रणनीति नहीं है। बैंक की विश्वसनीयता, जमा राशि की सुरक्षा, समय से पहले निकासी के नियम, ब्याज भुगतान का विकल्प और आपकी वित्तीय जरूरत भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। यदि निवेश की अवधि कम है तो 1 साल की एफडी बेहतर हो सकती है, जबकि मध्यम अवधि के लक्ष्य के लिए 3 साल और टैक्स बचत व लंबी अवधि के लिए 5 साल की एफडी अधिक उपयोगी साबित हो सकती है।

### किसके लिए कौन-सी एफडी?

#### 1 साल की एफडी

- कम अवधि का निवेश
- पैसों की जल्द जरूरत होने की संभावना
- ब्याज दर बढ़ने पर दोबारा निवेश का अवसर

#### 3 साल की एफडी

- बेहतर रिटर्न और संतुलित अवधि
- मध्यम अवधि के वित्तीय लक्ष्य
- जोखिम कम, रिटर्न अपेक्षाकृत बेहतर

#### 5 साल की एफडी

- लंबी अवधि का सुरक्षित निवेश
- धारा 80सी के तहत टैक्स बचत
- भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए उपयुक्त

#### निवेश टिप्स

- निवेश का उद्देश्य और अवधि पहले तय करें।
- विभिन्न बैंकों की ब्याज दरों की तुलना करें।
- केवल अधिक ब्याज के बजाय बैंक की विश्वसनीयता भी देखें।
- टैक्स बचत चाहिए तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी चुनें।
- वरिष्ठ नागरिक अतिरिक्त ब्याज दर का लाभ अवश्य लें।
- मैच्योरिटी के बाद राशि का पुनर्निवेश करने की योजना पहले से बनाएं।

## खबर संक्षेप

### अग्रवाल वैश्य समाज की महिला विस टीम का गठन

**सोनीपत।** अग्रवाल वैश्य समाज ने संगठन के विस्तार और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से सोनीपत महिला विधानसभा टीम का गठन किया है। महिला प्रदेश महासचिव पायल गोयल ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अनुशंसा पर महिला प्रदेशाध्यक्ष सुशीला सर्राफ ने नई टीम की घोषणा की है। इसमें पूनम जैन को विधानसभा अध्यक्ष, ज्योति जैन को महासचिव, रिथम जैन को कोषाध्यक्ष, बबीता जैन को उपप्रधान, नव निधि को सचिव और निधि जैन को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। पायल गोयल ने कहा कि नई टीम महिलाओं को संगठन से जोड़ने और समाज में भागीदारी बढ़ाने का काम करेगी।

### मॉड्यूलर किचन का किया उद्घाटन

**खरखौदा।** गुरुकुल मटिंडू विद्यालय में शनिवार को ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ट्रस्ट के चेयरमैन ब्रिगेडियर सत्यदेव दहिया, आनंद सिंह, डॉ. संदीप, रणबीर सहित ट्रस्ट के अन्य सदस्य एवं विद्यालय प्रबंधन के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में विद्यालय के समग्र विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा आधुनिक मॉड्यूलर किचन का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के पश्चात सभी सदस्यों ने किचन का निरीक्षण किया तथा इसकी आधुनिक एवं स्वच्छ व्यवस्था की सराहना की।

## नेताओं से लेकर प्रशासन तक समस्याओं का समाधान करवाने को लेकर अंजान

# वार्ड-16 में समस्याओं का अंबार, लोगों का आरोप हम सिर्फ वोट देने तक सीमित

- गुड़ मंडी, मिर्च मंडी, काठ मंडी, कालूपुर चुंगी क्षेत्र में पहले से पेयजल व सीवर जाम की समस्या
- शुक्रवार रात लंबे लंबे कटों के बीच करीब 2 घंटे ही मिली बिजली आपूर्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

नगर निगम के वार्ड नंबर 16 में इन दिनों विभिन्न समस्याओं के अंबार से जनजीवन प्रभावित है। लोगों का आरोप है कि वार्ड वासी केवल चुनाव में वोट देने तक सीमित रह गए हैं। वार्ड में करीब एक माह से पेयजल आपूर्ति व सीवर जाम जैसी समस्याओं पर नेताओं से लेकर प्रशासन तक समस्याओं का समाधान करवाने को लेकर अंजान हैं। शिकायत करने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। शहर के मिर्च मंडी, गुड़ मंडी, काठ मंडी सहित पुराने शहरी क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के दावे फेल नजर आ रहे हैं। आए दिन दूषित पानी की आपूर्ति, सीवर व्यवस्था जाम होने से लोग परेशान हैं। ऊपर से बिजली आपूर्ति व्यवस्था ने उनका हाल बेहाल कर रखा है। स्थानीय निवासी प्रह्लाद गोयल, सुशील गोयल, नरेश कुमार, प्रमोद, रामनिवास ने बताया कि क्षेत्रवासियों को भीषण गर्मी के बीच पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। इससे उनके दिनचर्या के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। लोगों ने दूषित पानी की आपूर्ति पर नगर निगम प्रबंधन पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि एक ओर निगम क्षेत्र में पेयजल-सीवर कनेक्शनों के लिए विशेष शिविर लगाकर आवेदन जमा करवाने का स्वांग रचा जा रहा है, वहीं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति का दावा केवल कागजों में नजर आ रहा है। उधर शुक्रवार रात क्षेत्रवासियों के साथ बिजली आपूर्ति भी मजाक करती नजर आई। रातभर केवल 2 घंटे ही बिजली उपलब्ध रही।

सोनीपत। सोनीपत के पुराने शहर में मिर्च मंडी रोड का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

### पेयजल आपूर्ति का नहीं समय निर्धारित

आरोप है कि करीब एक माह से उनकी पेयजल समस्या का कोई समाधान नहीं किया गया है। लोगों की इन समस्याओं की तरफ न तो राजनीतिक, न ही प्रशासनिक स्तर पर किसी ने उचित कार्यवाही का जिम्मा उठाया है। ऊपर से पेयजल आपूर्ति का समय भी निर्धारित नहीं किया गया है। पंप संचालक अपना मनमर्जी रवैया अपना रहे हैं। खासकर वार्ड 16 में मिर्च मंडी के निवासी पानी के लिए तरस रहे हैं, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं है। जब पेयजल आपूर्ति की जाती है, तो ज्यादातर बार दूषित पानी घरों में पहुंच रहा है। यह पानी पीने लायक तो दूर, इसे रोजमर्रा के कार्यों में भी प्रयोग नहीं किया जा सकता है। ऐसे में लोगों को बाहर से कैंपर खरीदकर पानी पीना पड़ रहा है। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ रहा है।

### मानसून सिर पर, सीवर समस्या बढ़ाएगी परेशानी

लोगों ने बताया कि वर्मा बुक डिपो वाली गली के साथ लगती सभी गलियों में बार-बार अनुरोध करने के उपरांत सीवर की सफाई नहीं करवाई जा रही है। ऐसे में मानसून सिर पर है। यह समस्या केवल एक मोहल्ले के लोगों की ही नहीं, बल्कि पूरे लाइन पार क्षेत्रवासियों की है। इससे लोगों को ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ सकती है। अधिकारियों की मानें तो दूषित पेयजल आपूर्ति का मुख्य कारण सिटी थाना से कालूपुर चुंगी तक वक्त के साथ पुरानी हो चुकी पेयजल पाइपलाइन है। इस क्षेत्र में काफी समय पहले पाइपलाइन को डाला गया था, वो वक्त के साथ कई जगह गलने के साथ खराब हो चुकी है। ऐसे में कहीं पेयजल पाइपलाइन गलने के बाद सीवर लाइन के साथ अटैच हो चुकी हो।

### केवल झूठे आश्वासन

क्षेत्र में कई दिनों से दूषित पेयजल आपूर्ति व सीवर जाम की समस्या बनी है। वार्ड वासी केवल राजनेताओं को वोट देने तक ही सीमित रह गए हैं। नेताओं के चुनाव जीतने के बाद लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि उनकी समस्याओं का कैसे निदान होगा। लोगों को केवल झूठे आश्वासन देकर उनकी भावनाओं से खेला जा रहा है।

-प्रह्लाद गोयल, वार्ड वासी

### स्वास्थ्य से किया जा रहा खिलवाड़

शहर में लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत इसके विपरीत है। अधिकारियों को कई बार समस्या से अवगत कराने के बावजूद लोगों की सुनवाई नहीं हो रही है। दूषित पेयजल आपूर्ति कर सरेआम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। नगर निगम प्रशासन को जल्द इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

-सुशील गोयल, वार्ड वासी

### स्वच्छ पेयजल आपूर्ति पर खर्च होंगे 50 लाख

लोगों की समस्या संज्ञान में है। नगर निगम पुराने शहर के लोगों को स्वच्छ पेयजल मुहैया करवाने के लिए जल्द 50 लाख रुपये की राशि खर्च करेगा। इस राशि से सिटी थाना से कालूपुर चुंगी तक पुरानी पेयजल पाइपलाइन को बदलवाया जाएगा। योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए निगम ने टेंडर प्रक्रिया भी पूरी कर ली है। फिलहाल मानसून का मौसम सिर पर होने के चलते काम को शुरू नहीं किया जा रहा है। लोगों की सुविधा को देखते हुए सुझाव लेने के बाद ही काम शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा।

**-राजीव जैन, मेयर, नगर निगम, सोनीपत**

## 28 से 30 जून तक चलेगा विशेष अभियान

# आज से सभी बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक पिलाई जाएगी

सोनीपत। जागरूकता रैली को रवाना करते सिविल सर्जन। फोटो :हरिभूमि

- दो बूंद जिंदगी की : राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के सफल आयोजन को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। अभियान के तहत 28 जून से 30 जून तक जिले के 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक पिलाई जाएगी।

अभियान को लेकर शनिवार को नागरिक अस्पताल, से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसे सिविल सर्जन डॉ. अनुराधा जैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से आमजन को संदेश दिया गया कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलवाएं। स

वास्थ्य विभाग का उद्देश्य है कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।

सिविल सर्जन डॉ. अनुराधा जैन ने बताया कि अभियान के तहत जिले में लगभग 2,02,028 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसके लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लगभग 870 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं तथा करीब 3,480 स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

इसके अलावा ईंट-भट्टों, निर्माण स्थलों एवं अन्य प्रवासी क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशेष मोबाइल टीमें भी तैनात की गई हैं।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नीरज यादव, स्वास्थ्य निदेशक ईश्वर लाल, पोलियो कार्यक्रम सहायक विक्रम सिंह, सुरेंद्र कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

### अरुण मलिक एबीवीपी के जिला संयोजक बने

**गोहाना।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के संगठन विस्तार को नई दिशा देते हुए अरुण मलिक को एबीवीपी सोनीपत का जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी। अपनी नियुक्ति को लेकर अरुण मलिक ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। संगठन की मजबूती के लिए वह अधिक से अधिक युवाओं और विद्यार्थियों को संगठन से जोडऩे का कार्य करेंगे।गोहाना।

## घेवर विक्रेताओं में हाथापाई थाने तक पहुंचा मामला

**सोनीपत।** गांव बड़वासनी के पास देर रात किसी बात को लेकर घेवर विक्रेता दुकानदारों के बीच हाथापाई हो गई। झड़प में सीआईएसएफ के एक जवान ने कई लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़ित जवान की पीठ पर चोटों के गहरे निशान पड़े हैं। घटना के बाद मामला थाने पहुंच गया, दोनों पक्षों ने पुलिस को शिकायत दी। सीआईएसएफ में तैनात सब इंस्पेक्टर जवान राजेश ने बताया कि उनके भाई ने बड़वासनी के पास घेवर का काम कर रखा है। वह रात को यहां आया था। जब वह पानी पीने के लिए अन्य स्टाल पर जा रहा था, तो इस दौरान दूसरे पक्ष ने कहासुनी शुरू कर दी। देखते देखते उन्हें पकड़कर पिटाई शुरू कर दी। आरोप है कि हमला करने वाले कई युवक थे। उनकी पूरी कमर पर नीले निशान पड़ गए हैं। वहीं, दूसरे पक्ष ने भी राजेश और उनके साथियों पर आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार रात के समय दो पक्षों के बीच हाथापाई की सूचना मिली थी। पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने में तलब किया था। फिलहाल दोनों पक्षों ने आपसी बातचीत के लिए एक दिन का समय मांगा है।

## निफ्टम के सिक्योरिटी गार्ड पर लाठी-डंडों से हमला

**सोनीपत।** निफ्टम संस्थान, कुंडली में कार्यरत एक सिक्योरिटी गार्ड पर ड्यूटी के बाद हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एक नामजद सहित 6 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कुंडली निवासी कृष्णपाल ने बताया कि वह निफ्टम शिक्षण संस्थान में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत हैं। दोपहर के समय ड्यूटी के दौरान सहकर्मी अतुल ने उन्हें दूसरी जगह जाने के लिए कहा, लेकिन अधिकारियों के निर्देश के बिना जगह बदलने से इनकार करने पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि अतुल ने उन्हें जाते समय रात को देख लेने की धमकी दी थी। रात करीब 10 बजे ड्यूटी खत्म कर घर लौटते समय शिक्षणा संस्थान के बाहर अतुल, उसके 5 साथियों ने उन्हें पकड़ लिया। उन्होंने जातिसूचक टिप्पणियां करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। घायल को पहले नागरिक अस्पताल, बाद में रोहतक पीजीआई रेफर किया गया।

## नौकरी दिलाने का झांसा देकर 13 लाख की ठगी

**सोनीपत।** शहर में युवक को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर 13 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। सेक्टर-27 थाना पुलिस ने सोनीपत निवासी राजकुमार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर बैंक ट्रांजैक्शन, अन्य दस्तावेजों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। राजकुमार ने बताया कि फरवरी 2024 में उनकी मुलाकात नवीन से हुई थी। उसने सरकारी नौकरी लगवाने की बात कहते हुए उनकी बातचीत झारखंड के धनबाद निवासी अमित रंजन से कराई। अमित रंजन ने स्वयं को राज्यसभा में कार्यरत बताते हुए नौकरी लगवाने का दावा किया। उसने दोनों के झांसे में आकर अमित रंजन के एक्सिस बैंक खाते में अलग-अलग तारीखों में कुल 13 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में उन्हें गृह मंत्रालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति का एक पत्र दिया गया, जो संबंधित विभाग से जांच कराने पर फर्जी पाया गया। जब उसने अपनी राशि को वापस मांगा, तो आरोपियों ने गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां दीं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## ग्रामीण शिक्षा विकास महासंगम में शिक्षा और समाज को जोड़ने पर जोर

- बीट्स मोहाना में हवन के साथ कार्यक्रम, 300 गांवों के सरपंच हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

भारत ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स (बीट्स), मोहाना में शनिवार को ग्रामीण शिक्षा विकास महासंगम का आयोजन किया गया। नए शैक्षणिक सत्र की सफलता और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के लिए कार्यक्रम की शुरुआत हवन-यज्ञ से हुई। इसमें स्वामी राघवेंद्र भारती, स्वामी जसमेर, पूर्व गृह मंत्री सुभाष बतरा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, पूर्व विधायक सुमेश शौकीन चावला, डॉ. कपूर नरवाल, नरेंद्र गहलावत और पंडित रवि सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। कॉलेज के चेयरमैन बलराज कुंडू, वाइस चेयरमैन विशवा कुंडू और योगेंद्र राठी ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य कार्यक्रम में कई गांवों के सरपंचों ने भाग लिया। चेयरमैन बलराज कुंडू ने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण किसी भी बच्चे की पढ़ाई नहीं रुकने दी जाएगी और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा व अवसर उपलब्ध कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। डायरेक्टर डॉ. पूनम राणा ने कौशल आधारित शिक्षा और समाज की भागीदारी पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और सरपंचों को शॉल और मिठाई देकर सम्मानित किया गया तथा सामूहिक भोज का आयोजन किया गया।

सोनीपत। राहगीरों को पोहा व लस्सी वितरित करते संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगण। फोटो :हरिभूमि

### मानव अधिकार संरक्षण संघ ने राहगीरों को बांटा पोहा और लस्सी

**सोनीपत।** मानव अधिकार संरक्षण संघ की ओर से राष्ट्रीय कार्यालय के बाहर राहगीरों और आम नागरिकों के लिए पोहा एवं लस्सी का सार्वजनिक वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान लोगों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ जनसेवा और मानवता की भावना को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर संघ के राष्ट्रीय सलाहकार डॉ. योगी मलिक, सतपाल राणा, मास्टर दिलबाग सिंह, सुरेश वत्स, दिलबाग मोरवाल, सुशील गोयल, हुकचंद भारद्वाज, उत्तम कुमार और डॉ. सुभाष सिसोदिया मौजूद रहे। सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने स्वयं राहगीरों को पोहा और लस्सी वितरित कर सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है और संगठन भविष्य में भी समाजहित एवं जनकल्याण के लिए इस प्रकार के सेवा कार्य लगातार आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम की स्थानीय नागरिकों ने सराहना करते हुए संघ के प्रयासों की प्रशंसा की।

## सीएलजी कमेटी ने पारिवारिक विवाद में करवाया समझौता

- एक मामले का सौहार्दपूर्ण समाधान, दूसरे की सुनवाई 4 जुलाई को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

पुलिस आयुक्त ममता सिंह और पुलिस उपायुक्त अपराध एवं पश्चिमी जोन नरेंद्र कादियान के मार्गदर्शन में गठित सीएलजी (कम्युनिटी लाइजन ग्रुप) कमेटी की साप्ताहिक बैठक शनिवार को आयोजित हुई। बैठक में संजय सिंगला, डॉ. राजसिंह सांगवान, सतीश कुमार, शालू, संतोष त्यागी, प्रियंका मुंजाल तथा शिकायत शाखा से हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र मौजूद रहे। बैठक में गांव छिनौली निवासी अजीत और उनके पुत्र रोहित के बीच पारिवारिक विवाद की सुनवाई की गई। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद कमेटी ने आपसी सहमति से समझौता करा दिया। दोनों पक्षों ने भविष्य में प्रेम और भाईचारे के साथ रहने का भरोसा जताया। वहीं एक अन्य पारिवारिक मामले में कोई पक्ष उपस्थित नहीं हुआ, जिसके चलते अगली सुनवाई के लिए 4 जुलाई की तिथि तय की गई। कमेटी का उद्देश्य छोटे पारिवारिक और सामाजिक विवादों का आपसी संवाद व पुलिस-जनभागीदारी के माध्यम से समाधान कर न्यायालयों पर भार कम करना है।

सोनीपत। सीएलजी कमेटी की बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारी साथ में कमेटी के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

## मोबाइल गुम होने के बाद खाते से उड़े 1.10 लाख रुपये

**सोनीपत।** जिले में साइबर ठगी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। दो अलग अलग जगह दो लोगों के बैंक खातों से लाखों रुपये निकालने का मामला सामने आया है। पीड़ितों ने साइबर थाना में शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कार्रवाही की मांग की है। पहली शिकायत में कोट मोहल्ला निवासी मोनू ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि रेलवे स्टेशन सोनीपत पर 22 जून को आम्रपाली एक्सप्रेस से उतरते समय उनका मोबाइल गुम हो गया था। उन्होंने दोनों नंबर दोबारा जारी कराए। जब उन्होंने अपने मोबाइल नंबर पर गूगल पे डाउनलोड किया, तो पता चला कि उनके बैंक खाते से करीब 1.10 लाख रुपये की राशि निकाली गई है।

### क्वालिटी एग्जीक्यूटिव भी बना ठगी का शिकार

दूसरी शिकायत में बिहार के जिला सारण के गांव बंशीछपरा निवासी अरुण शर्मा ने प्राथमिकी दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वह हाल में राई इंडस्ट्रियल एरिया स्थित अरिहंत टेक्नोपैक प्राइवेट लिमिटेड में क्वालिटी एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत हैं। राई गांव में किराये पर रहते हैं। 26 जून को किसी परिचित को भुगतान करने के दौरान उन्हें खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने का पता चला। इसके बाद बैंक ऑफ इंडिया की राई शाखा में जानकारी लेने पर पता चला कि उनके खाते से अलग-अलग तिथियों पर 2,96,998 रुपये निकाले जा चुके है।

## गोहाना : रचनात्मक गतिविधियों में किया हस्तकौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

- गीता विद्या मंदिर में चल रहा ग्रीष्मकालीन शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गीता विद्या मंदिर, गोहाना में चल रहे ग्रीष्मकालीन शिविर में शनिवार को विद्यार्थियों ने रचनात्मक गतिविधियों में प्रतिभागिता करके अपने हस्तकौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की।

शिविर में प्रमुख गतिविधि में बच्चों ने अत्यंत आकर्षक मैट (चटाई) बनाकर अपनी रचनात्मकता, कलात्मक सोच एवं हस्तकौशल का प्रदर्शन रहा। विद्यार्थियों ने रंगों एवं विभिन्न सामग्रियों का उपयोग करते हुए आकर्षक मैट तैयार किए। भोजन में विद्यार्थियों ने इडली व नारियल की चटनी भी बनाना सीखा। शिविर की अन्य गतिविधियों में भी बच्चों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्राचार्य ने कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं व्यावहारिक कौशल को विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं।

गोहाना। शिविर में अपने हाथों से बनाई गई चटाई प्रदर्शित करते विद्यार्थी।

## रेलवे विभाग अपनी सीमा में नहीं कर रहा निर्माण पूरा

# अधूरे पड़े ओवरब्रिज और अंडरपास ने बढ़ाई परेशानी

- लोगों को कई किमी. का अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के चलते अगवानपुर रेलवे फाटक लंबे समय से बंद है। यात्रियों की सुविधा के लिए बनाया जा रहा रेलवे अंडरपास भी महीनों से अधूरा पड़ा है। इससे आसपास के कई गांवों के लोगों को रोजाना भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। अधूरे अंडरपास से बड़े वाहनों के साथ-साथ दोपहिया वाहनों का लगातार आवागमन हो रहा है। वाहन चालक सुरेंद्र, सतबीर, त्रिलोक और विकास ने बताया कि रेलवे की सीमा से बाहर ओवरब्रिज व सर्विस रोड का निर्माण एचएसआरडीसी द्वारा काफी समय पहले ही कर दिया गया था, लेकिन रेलवे विभाग द्वारा अपनी सीमा में ओवरब्रिज का निर्माण पूरा नहीं करवाया जा रहा। रेलवे विभाग ने फाटक तो बंद कर दिया, लेकिन न अंडरपास का निर्माण पूरा कराया और न ही ओवरब्रिज पूरा किया। इसके कारण लोगों को कई किलोमीटर का अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है। इससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। स्कूल और कालेज जाने वाले विद्यार्थियों तथा रोजाना आने-जाने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने निर्माण कार्य पूरा करने के लिए रेलवे अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से भी मांग की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। उन्होंने अंडरपास व ओवरब्रिज का निर्माण शीघ्र शुरू करने की मांग की है, ताकि निर्माण पूरा होने के बाद चालकों को असुविधा न उठानी पड़े। यदि निर्माण शुरू नहीं किया तो वह बड़ा प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

गन्नौर। रेलवे विभाग द्वारा अधूरा छोड़ा गया अंडरपास

### जल्द होगा समस्या का समाधान

*इस संबंध में एसडीएम प्रवेश कादियान ने कहा कि वह एचएसआरडीसी व रेलवे विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक जल्द करेंगे। दोनों विभागों से काम की समीक्षा कर इसे जल्द से जल्द को समाप्त करने के निर्देश देंगे, ताकि आमजन को इसकी सुविधा मिलनी शुरू हो सके।*

## खबर संक्षेप

### ट्रक के पार्ट्स चोरी करने वाला पूर्व कर्मचारी पकड़ा

**सोनीपत।** थाना शहर सोनीपत पुलिस ने ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक कंपनी से ट्रक पार्ट्स चोरी करने के मामले में पूर्व कर्मचारी आशीष निवासी बाबा कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। आरोपित को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया निवासी कंपनी संचालक आशीष ने शिकायत दी थी कि उनकी कुमार ओवरसीज नामक कंपनी में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच के दौरान पता चला कि एक व्यक्ति कई दिनों से दीवार फांदकर ट्रक के पार्ट्स चोरी कर रहा था। जांच में उसकी पहचान कंपनी के पूर्व कर्मचारी आशीष के रूप में हुई। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

### मंदिर के बाहर से बाइक चोरी करने वाला काबू

**सोनीपत।** थाना सदर सोनीपत पुलिस ने खाटू श्याम मंदिर के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में आरोपित कमल निवासी खरखौदा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार शिव कॉलोनी, देवडू रोड निवासी साहिल ने शिकायत दी थी कि 25 जून की रात वह खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने गया था। मंदिर के बाहर खड़ी उसकी मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। अनुसंधान टीम में शामिल मुख्य सिपाही जगप्रीत ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

## स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी

### फिलहाल कहीं ताले लटके, तो कहीं व्यवस्थाएं बदहाल

*सफाई रैंकिंग सुधारने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे*

# शहर के सार्वजनिक शौचालयों को बदहाली से मुक्ति दिलाने की तैयारी

नगर निगम दिल्ली मॉडल पर उठाएगा कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता सर्वेक्षण की दौड़ में आगे निकलने के लिए नगर निगम ने शहर के सार्वजनिक शौचालयों की सूरत बदलने, उन्हें साफ-सुथरा बनाने के लिए कमर कस ली है। बताया जा रहा है कि नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सार्वजनिक शौचालयों का देश की राजधानी दिल्ली की तर्ज पर पूरी तरह कायाकल्प किया जाएगा। निगम ने सभी सार्वजनिक शौचालयों की खामियों को दूर करने के साथ रखरखाव के लिए जल्द एजेंसी से करार करने का निर्णय लिया है। बता दें कि निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सार्वजनिक शौचालयों पर कहीं ताले लटके हुए हैं, तो कहीं व्यवस्थाएं बदहाल नजर आ रही है। रखरखाव के अभाव में शौचालयों की स्थिति लोगों के इस्तेमाल के लायक नहीं मानी जा रही है। ऐसे में लोगों को इस सुविधा का पूर्ण रूप से लाभ नहीं मिल पा रहा है। खासकर शहर के प्रमुख बाजारों के शौचालयों की बात करें, तो यहां दिनभर खरीदारी के लिए आने वाले ग्राहकों के समक्ष यह बड़ी परेशानी है। अब इस गंभीर समस्या से निपटने, लोगों को बेहतर सुविधा मुहैया करवाने के उद्देश्य से नगर निगम ने जल्द निजी एजेंसी के साथ हाथ मिलाने की योजना तैयार की है, ताकि इन शौचालयों की व्यवस्था में सुधार लाने के साथ उनके रखरखाव पर भी ध्यान रखा जा सके।

सिटी पल्स

### तत्काल ये होगा

1. निगम सभी खामियों को दूर करने के साथ रखरखाव के लिए जल्द एजेंसी से करेगा करार
2. टूंटी से लेकर सीट, टाइल, मरम्मत, पानी व्यवस्था को कराएगा दुरुस्त, 5 साल के लिए हो सकता है समझौता
3. पानी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, जो अब तक की सबसे बड़ी समस्या रही है

### हर व्यवस्था को सुधारा जाएगा

नगर निगम सूत्रों की मानें तो इस पूरी परियोजना के संचालन व रखरखाव के लिए एक सक्षम एजेंसी की तलाश शुरू कर दी गई है। यह समझौता (एमओयू) आगामी 5 वर्ष के लिए किया जा सकता है। अनुबंधित एजेंसी की यह जिम्मेदारी दी जाएगी कि वह शौचालयों में मौजूद हर छोटी-बड़ी खामी को दूर करें। इसके तहत शौचालयों में टूटी हुई टोटियां से लेकर क्षतिग्रस्त सीटें, टाइल्स की मरम्मत, रंग-रोगन को शामिल किया जाएगा। उक्त शौचालयों में 24 घंटे पानी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, जो अब तक की सबसे बड़ी समस्या रही है।

**सोनीपत।** सुभाष चौक स्थित सार्वजनिक शौचालयों पर लटके ताले।

### दो शिफ्टों में तैनात रहेंगे कर्मचारी

अधिकारियों की ओर से योजना को केवल कागजों तक सीमित न रखकर धरातल पर प्रभावी बनाने के लिए कई शर्तें तय की जा रही हैं। शौचालयों की सुरक्षा, सही देखरेख के लिए कर्मचारियों को दो शिफ्टों में तैनात किया जाएगा। प्रत्येक शौचालय पर हर समय एक कर्मचारी तैनात रहेगा। इसके अलावा स्वच्छता के मानकों को बनाए रखने के लिए 24 घंटों में कम से कम दो बार शौचालयों की सफाई का प्रावधान भी शर्तों में शामिल किया गया है।

### करोड़ों खर्च के बावजूद रखरखाव का अभाव

बता दें कि नगर निगम के पास विभिन्न क्षेत्रों में 31 सार्वजनिक, करीब 8 डीलक्स शौचालय की व्यवस्था का भार है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत इन शौचालयों पर करोड़ों रुपये की राशि खर्च की गई है। इसके बावजूद अब तक शहर को स्वच्छ बनाने, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति बेहतर रखने के कोई प्रयास नजर नहीं आए थे। यही कारण है कि सार्वजनिक शौचालयों में कहीं ताले लटके हुए हैं, तो कहीं पानी, गेट, सीट, सफाई जैसी अव्यवस्था का माहौल है।

### वर्ष 2025 में रखा लक्ष्य आज तक अधूरा

बता दें कि नगर निगम ने वर्ष 2025 में 18 नए सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य रखा था, लेकिन आज तक वह पूरा नहीं हो पाया है। अब तक निगम शहर में केवल 5 नए शौचालयों का ही निर्माण करवा पाया है। इनमें बस अड्डा, पुलिस लाइन, तिरंगा चौक, अग्रसेन चौक, स्वर्ण जयंती पार्क के पास शामिल हैं। वहीं 5 पुराने शौचालयों को हटाने की योजना पर भी निष्पक्षता नहीं बरती गई है।

### *निगम ने वर्ष 2025 में धोया था पुराना दाग*

*वर्ष 2024-25 के स्वच्छता सर्वेक्षण में सोनीपत नगर निगम ने रैंकिंग में 222 पायदान की लंबी छलांग लगाते हुए देशभर में 38वां, जबकि प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। सोनीपत शहर को गार्बेज फ्री सिटी कैटेगरी में तीन स्टार प्रदान किए गए थे। साथ ही वाटर प्लस का टैग हासिल किया था।*

### धरातल पर जल्द दिखेगा असर

*शहर में जगह-जगह बने शौचालयों की वर्तमान अव्यवस्था संबंधी शिकायतों को देखते हुए नगर निगम इनके सुधार के लिए जल्द योजना तैयार करने का निर्णय लिया है। जल्द ही एजेंसी के साथ समझौता कर सभी शौचालयों की व्यवस्था को दुरुस्त करवाया जाएगा। इस कदम से न केवल शहर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार होगा, बल्कि शहरवासियों को सुविधा व स्वच्छ वातावरण मिलेगा।* *-राजीव जैन, मेयर, नगर निगम, सोनीपत*

### यह बोले शहरवासी

अगर शहर के सार्वजनिक शौचालयों की दुर्दशा में सुधार होता है, तो इससे लोगों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। कई सार्वजनिक स्थलों पर अभी भी शौचालयों का अभाव है।
*-योगराज, शहरवासी*

सार्वजनिक स्थलों पर शौचालयों की अहम जरूरत है। खासकर आसपास के गांवों से कई बार बाजार खरीदारी करने आए लोगों को शौचालयों की कमी के बिना परेशानी झेलनी पड़ती है।
*-साविन जिंदल, शहरवासी*

## वैदिक जीवन शैली अपनाने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा सोनीपत के तत्वावधान में सरस्वती विहार कॉलोनी स्थित वीर बंदा बैरागी धर्मशाला में दो दिवसीय लघु गुरुकुल की शुरुआत हुई। पहले दिन मुख्य अतिथि आचार्य दीपेश मेवात ने कहा कि यदि भारत को विश्व गुरु बनाना है तो प्रत्येक परिवार को वैदिक विचारों से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि वेदों के अनुसार निष्काम कर्म, सत्य, अहिंसा, बड़ों का सम्मान और कर्तव्य का ईमानदारी से पालन ही जीवन का सही मार्ग है। वेद हमें अंधकार से प्रकाश और असत्य से सत्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर जनपद सोनीपत अध्यक्ष आर्य जगदेव, आर्य संदीप, आर्य दल सिंह, आर्य रामावतार, आर्य महिपाल, आर्य नवीन, आर्य सुरेंद्र, आर्य विपिन, आर्य अनूप, आर्य परमेंद्र तथा आर्य आजाद सिंह दांगी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वैदिक जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया गया।

**सोनीपत।** कार्यक्रम के दौरान विचार रखते हुए आचार्य।

## 42 लाख की लागत से बनेंगे कंवाली के खेतों में जाने के पक्के रास्ते

**खरखौदा।** गांव कंवाली में 42 लाख रुपये की लागत से खेतों तक जाने वाले मुख्य रास्तों का निर्माण कराया जाएगा, किसानों को सुविधा मिल सके। शनिवार को जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया के पति एवं पूर्व ब्लॉक चेयरमैन राजबीर दहिया ने नारियल तोड़कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। ब्लॉक चेयरमैन सतेंद्र दहिया ने बताया कि इन रास्तों के निर्माण के लिए पहले जिला परिषद की ओर से 21 लाख रुपये की राशि जारी की गई थी, लेकिन कार्य अधूरा रह गया था। अब शेष कार्य पूरा करने के लिए जिला परिषद की ओर से 11 लाख रुपये तथा ब्लॉक समिति खरखौदा की ओर से 11 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि जारी की गई है। इसके बाद अब 42 लाख रुपये की लागत से रास्तों का निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर गांव के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। ग्रामीणों ने अतिथियों का फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। ग्रामीणों ने कहा कि यह खेतों तक पहुंचने का मुख्य मार्ग है। इसके पक्का बनने से किसानों को खेती-बाड़ी के कार्यों और आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी।

## 29 जून को श्रद्धा और उत्साह से मनाई जाएगी कबीर साहेब की 629वीं जयंती

### गीता भवन मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम व विशाल भंडारा लगेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

धानक कबीर समाज जागृति मंच की बैठक भीम नगर स्थित जयंती कार्यालय में प्रधान हंसराज इष्टकान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बताया गया कि संत शिरोमणि कबीर साहेब की 629वीं प्रकट दिवस (जयंती) 29 जून 2026 को सुबह 11 बजे गीता भवन मंदिर परिसर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे ध्वजारोहण से होगा। इसके बाद कबीर साहेब के उपदेशों और मानव कल्याण संबंधी विचारों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। दोपहर एक बजे श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन भी होगा।

### कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील

हंसराज इष्टकान ने बताया कि कार्यक्रम में सोनीपत के लोकसभा सांसद सतपाल ब्रह्मचारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. सत्यवीर निर्माण करेंगे। डॉ. सत्यवीर निर्माण ने कहा कि कबीर साहेब का सत्य, प्रेम, भाईचारे और मानवता का संदेश आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। बैठक में महिला मंडल की प्रधान कृष्णा बुमराह, आशा, महामंत्री कुलदीप खासा, सहप्रबंधक रिशाल सिंह, एडवोकेट राहुल निर्माण सहित अन्य पदाधिकारियों ने जिले के लोगों से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

## उदमीराम के शहीदी दिवस समारोह में शामिल होंगे पद्मश्री डॉ. संतराम देशवाल

**सोनीपत।** गांव लिबासपुर के अमर शहीद उदमीराम, उनकी पत्नी वीरांगना शहीद रत्नीदेवी का शहीदी दिवस 28 जून को जिला झज्जर के बहादुरगढ़ के गांव मांडौठी स्थित शहीद नमन स्थल एवं संग्रहालय परिसर में मनाया जाएगा। समारोह का आयोजन एवं संयोजन मांडौठी स्थित शहीद नमन स्थल के संस्थापक महेश दलाल की ओर से किया जाएगा। शहीदी दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री सम्मान से अलंकृत साहित्यकार एवं लेखक डॉ. संतराम देशवाल शिरकत करेंगे। समारोह में प्रदेशभर की उन शख्सियतों को पुरस्कृत किया जाएगा, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी<br>10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2000/-<br>रु. 2500/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

## अजय मलिक ने जीती टेनिस प्रतियोगिता

- 22 से 26 जून तक राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

**गोहाना।** अजय मलिक जीती गई ट्राफी के साथ, उनके साथ हैं उनके प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन (एआईटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता में मेधावी खिलाड़ी अजय मलिक ने प्रथम स्थान हासिल करके ट्राफी पर अपना कब्जा कर लिया। शनिवार को अजय मलिक को गांव मदीना में गोहाना-महम मार्ग स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस खेल अकादमी में समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया। एआईओए द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस खेल अकादमी, मदीना में 22 से 26 जून तक राष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से खिलाडियों ने प्रतिभागिता करके अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। प्रतियोगिता में इसी अकादमी के खिलाड़ी अजय मलिक ने प्रथम स्थान हासिल करते हुए ट्राफी के साथ एक लाख रुपये इनाम जीत लिया। अजय मलिक ने प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में अपने प्रतिद्वंद्वी दिल्ली के वंश विष्ट को 6-4 व 7-5 अंक के अंतर से पराजित किया। अजय मलिक की शानदार उपलब्धि को लेकर संस्था के संचालक पहलवान अजमेर मलिक, टेनिस कोच सोमबीर मलिक, कोच दीपिका मलिक और प्राचार्या पूनम मलिक के साथ अभिभावक पुष्पा मलिक ने उनको आशीर्वाद दिया।

## स्वीटी मलिक को कैबिनेट मंत्री ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

नशा मुक्ति के उत्कृष्ट कार्यों पर फिट इंडिया एंबेसडर व अंतरराष्ट्रीय साइकिलिस्ट स्वीटी मलिक को हिसार में आयोजित एक राज्यस्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। हिसार में 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति निषेध दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने स्वीटी मलिक को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया। समारोह में प्रशासनिक और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारियों ने भी स्वीटी मलिक का के कार्यों की सराहना करते हुए उनके हौंसले को बढ़ाया। स्वीटी मलिक ने कहा कि उनका लक्ष्य देश के हर युवा को नशे की दलदल से दूर कर खेलों और फिटनेस से जोडन्ना है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर मन लगाकर पढ़ाई करने और खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

## जाखौली स्थित पृथ्वीराज चौहान महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों ने दाखिला संख्या बढ़ाने को उठाया कदम

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार के अवसरों की दी जानकारी

# प्रोफेसर विशेष जागरूकता अभियान चला घर घर जाकर युवाओं में जगा रहे दाखिले की अलख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मिशन एडमिशन

जिले में महाविद्यालयों की स्नातक कक्षाओं में दाखिले के लिए सभी सीटों को पंजीकरण करवाने के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। जहां महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की सहायता के लिए हेल्प हेस्क स्थापित किए गए हैं, वहीं ग्रामीण अंचल के जाखौली स्थित पृथ्वीराज चौहान महाविद्यालय में सभी सीटों पर दाखिला सुनिश्चित करने के लिए स्टाफ सदस्यों की ओर से विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। महाविद्यालय के प्रोफेसर अभियान के तहत आस के गांवों में घर-घर जाकर विद्यार्थियों व अभिभावकों को जागरूक कर रहे हैं, ताकि सभी सीटों पर पंजीकरण सुनिश्चित हो सके। साथ ही विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के महत्व, महाविद्यालय की सुविधाओं, भविष्य में युवाओं को आत्मनिर्भरता बनाने के लिए रोजगार के अवसरों के प्रति अलख जगाने का प्रयास किया जा रहा है। प्राध्यापकों का कहना है कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर भविष्य, रोजगार, सामाजिक सशक्तिकरण का आधार भी है। प्राध्यापकों का उन छात्राओं पर भी है, जो विभिन्न सामाजिक या आर्थिक कारणों से आगामी पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ हैं। ऐसे में उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने के साथ अभिभावकों में जागरूकता लाने का काम किया जा रहा है। वहीं महाविद्यालय प्रबंधन की मानें तो ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कई परिवारों में उच्च शिक्षा के प्रति पर्याप्त जागरूकता नहीं है। कई ऐसे विद्यार्थी भी हैं, तो कक्षा 12वीं के बाद ही अपनी समझ या रोजगार के चलते पढ़ाई को अधर में छोड़ देते हैं, जबकि कुछ छात्राएं सामाजिक परिस्थितियों या महाविद्यालयों की दूरी का हवाला देकर शिक्षण संस्थानों का रुख नहीं करती हैं।

### 240 सीटों पर मात्र 47 ने कराया पंजीकरण

बता दें कि जाखौली स्थित पृथ्वीराज चौहान महाविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए स्नातक कोर्स के लिए कुल 240 सीटें निर्धारित की गई हैं। इनमें कलां संकाय की 160, वाणिज्य संकाय की 80 सीटें शामिल हैं, लेकिन अब तक मात्र 47 विद्यार्थियों ने ही दाखिले के लिए अपना ऑनलाइन पंजीकरण करवाया है। ऐसे में महाविद्यालय प्रबंधन का उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्र से कोई भी छात्रा जागरूकता के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित न रहे।

### 30 जून तक नामांकन प्रक्रिया जारी

30 जून तक नामांकन प्रक्रिया जारी है। फिलहाल ग्रामीण अंचल के महाविद्यालयों में पर्याप्त सीटों पर नामांकन पूरा कर प्रबंधन के समक्ष चुनौती बना हुआ है। ऐसे में प्राध्यापक पूरी प्रतिबद्धता के साथ विद्यार्थियों व अभिभावकों से संपर्क कर उनमें जागरूकता लाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को उच्च शिक्षा का अवसर मिलना समय की मांग भी है। उम्मीद है कि जागरूकता अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे, ताकि दाखिला पाने के साथ आत्मनिर्भर बनकर समाज व देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।
*किरण चौहान, प्रभारी, पृथ्वीराज चौहान महाविद्यालय।*

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026


# मन-जीवन को कर रहा अशांत सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस

**स्पेशलः वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून**

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।

**कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा**

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

## बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

## गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

## खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

### सही नहीं सबका पीछा करना

**दूसरों के** मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

# अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

**अचीवमेंट**
**संजय श्रीवास्तव**

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

**गैलेक्सआई ने रचा इतिहासः** जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

**बहुपयोगी है इसकी तकनीकः** गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

**कई और कंपनियां भी हैं एक्टिवः** गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

**हो रहा वैश्विक प्रसारः** देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *

**गजल**
**डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'**

## भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

**व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा**

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

# शादी का झमेला

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

**पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी**

## संवेदना-संघर्ष का कथालोक

हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

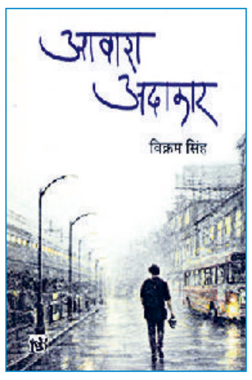


**पुस्तकः** आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखकः** विक्रम सिंह,
**मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी

## बाली-मालदीव जैसे ही अमेजिंग हैं

# ये भारतीय द्वीप-समुद्र तट

खूबसूरत समुद्र तट और द्वीपों का शानदार नजारा देखने के लिए अनेक टूरिस्ट, बाली या मालदीव का रुख करना पसंद करते हैं। जबकि अपने देश भारत में भी कुछ ऐसे द्वीप और समुद्र तट मौजूद हैं, जो किसी मायने में बाली-मालदीव से कम नहीं हैं। कौन से हैं ये अमेजिंग टूरिस्ट प्लेसेस और क्या हैं इनकी खासियतें, जानकर आप भी इनका दीदार करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

### मिनी मालदीव जैसा तर्कारली-मालवण, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के कोंकण तट पर तर्कारली व मालवण को महाराष्ट्र का मिनी मालदीव भी कहा जाता है। दरअसल, यहां का साफ पानी पर्यटकों का मन मोह लेता है। सिंधुदुर्ग जिले में स्थित यह तट सी बीचेज, शांत बैकवाटर्स के लिए जाना जाता है। यहां स्कूबा डाइविंग, स्नोरकेलिंग या पैरासेलिंग जैसे वाटर स्पोर्ट्स और एक्टिविटीज बहुत कम खर्च में उपलब्ध हैं। तर्कारली में आपको स्थानीय कोंकणी संस्कृति देखने को मिलेगी। सिंधुदुर्ग किले में बोट राइड्स का आनंद लिया जा सकता है। यहां के स्थानीय रेस्तराओं में मालवणी सीफूड थाली का लुत्फ उठाया जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कुदाल और सिंधुदुर्ग हैं। यह स्थल गोवा एयरपोर्ट से कुछ ही घंटों के फासले पर है। *

### शांत समुद्री किनारे वाला स्वराज द्वीप, अंडमान

स्वराज द्वीप (पुराना नाम-हेवलॉक द्वीप) आपको जीवंत ट्रॉपिकल द्वीप का अनुभव प्रदान करता है। यह अंडमान व निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है और अपने शानदार सी बीचेज के लिए विख्यात है। यहां गोताखोरी का आनंद खूब लिया जाता है। यहां जंगलों से भरे समुद्र के किनारे हैं और वातावरण बिल्कुल शांत रहता है। इस द्वीप का मुख्य आकर्षण राधानगर बीच है, जो अपने सफेद रेत के कारण एशिया के सबसे आकर्षक सी बीचेज में गिना जाता है। यहां डूबते हुए सूरज का नजारा देखने लायक होता है। पर्यटक यहां विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं। यहां जाने का सबसे आसान रास्ता यह है कि पोर्ट ब्लेयर के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट से उतरने के बाद स्वराज द्वीप के लिए फेरी ले ली जाए, जो डेढ़ से ढाई घंटे के बीच में आपको द्वीप पर पहुंचा देगी। *

### पर्यटकों-योगप्रेमियों के लिए जन्नत के जैसा गोकर्ण, कर्नाटक

कर्नाटक में स्थित गोकर्ण, दिलकश तटीय आकर्षण से आध्यात्मिकता का मिलन कराता है। यहां महाबलेश्वर मंदिर साल भर भक्तों को आकर्षित करता है और शांत बीच जैसे ओम, कुड्ले व हाफ मून पर्यटकों और योग प्रेमियों के लिए जन्नत हैं। यहां आप चट्टानों के पास वाकिंग, बीचसाइड कैफे में खाने-पीने के साथ वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं। अरब सागर के किनारे रिलैक्स भी कर सकते हैं। गोकर्ण का ग्रामीण एहसास इसे और अनोखा बना देता है। *

### बाली के सर्फ-टाउन जैसा नजारा वर्कला, केरलम

जो पर्यटक बाली की सर्फ-टाउन एनर्जी से आकर्षित होते हैं, उन्हें वर्कला में लगभग वही वातावरण मिलेगा। यह केरलम के दक्षिणी तट पर स्थित है। यह टाउन लाल चट्टानों के इर्द-गिर्द बसा हुआ है, जहां के होमस्टे से अरब सागर का नजारा मिलता है। उत्तरी चट्टान क्षेत्र, समय गुजारने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यहां स्मूदी कैफे, सफर स्कूल, आयुर्वेदिक मसाज केंद्र और रूफटॉप स्पॉट्स हैं, जहां शाम गुजारते हुए आनंद आ जाता है जो रात तक जारी रहता है। सर्फिंग वर्कला की पहचान बन गई है। यहां आने वाले पर्यटक बाली की तरह ही सप्ताह भर का सर्फ व स्टे पैकेज लेते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए करीबी रेलवे स्टेशन वर्कला सिवगीरी है। *

### मालदीव का एहसास कराता लक्षद्वीप

भारत में मालदीव से सबसे अधिक मिलती-जुलती जगह लक्षद्वीप है। छोटे-छोटे कोरल द्वीप, नीले रंग के शानदार शेड्स में छोटे-छोटे लगून और भीड़-भाड़ से दूर सफेद रेत के समुद्र तट। ये सब समानताएं एकदम मालदीव में होने का एहसास कराती हैं। अरब सागर में केरलम के तट पर फैला हुआ लक्षद्वीप 36 कोरल द्वीपों से बना हुआ है, हालांकि इनमें से कुछ द्वीप ही पर्यटकों के लिए खुले हुए हैं। अगत्ती, बंगाराम और थिन्नाकारा द्वीपों पर लोग अधिक जाना पसंद करते हैं, विशेषकर वे टूरिस्ट, जो शांत, एकांत में स्टे को प्राथमिकता देते हैं। यहां आप कोरल रीफ पर स्नोरकेलिंग, शांत लगूनों में कयाकिंग, स्कूबा डाइविंग के जरिए फिश के साथ गोता लगाते हुए या समुद्र के किनारे चहलकदमी करने का आनंद ले सकते हैं। लक्षद्वीप पहुंचने के लिए अगत्ती मुख्य प्रवेश द्वार माना जाता है क्योंकि द्वीपों के इस समूह में केवल यहीं पर एकमात्र एयरपोर्ट है। कोच्ची से यहां पहुंचने में लगभग 90 मिनट की हवाई यात्रा करनी होती है। *

## अनिश्चित परिस्थितियों में ऐसे रहें आर्थिक रूप से सुरक्षित

अवेयरनेस
शिखर चंद जैन

हालांकि ईरान-अमेरिका में अभी युद्ध विराम चल रहा है, लेकिन अभी भी परिस्थितियां अनिश्चित बनी हुई हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आर्थिक परिदृश्य क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। इसलिए समझदारी इसी में है अपनी आर्थिक योजनाएं समझदारी से बनाई जाएं। आपके लिए उपयोगी सलाह।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की हालिया रिपोर्टों और कई अर्थशास्त्रियों के अनुसार, मध्य-पूर्व में हुए युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। अगर आने वाले दिनों में शांति बरकरार रहती है तो भी आर्थिक दशा पहले जैसी होने में कई महीने से लेकर कुछ साल लग सकते हैं। ऐसे में व्यक्तिगत आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

**मुद्रास्फीति का प्रभाव:** युद्ध और आपूर्ति श्रंखला में रुकावटों के कारण ऊर्जा, खाद्य और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी का रुख है। आमदनी का बड़ा हिस्सा खर्च होने से बचने के लिए बजट में कटौती और गैर-जरूरी खर्चों को रोकना जरूरी है।

**इमरजेंसी फंड:** आर्थिक मंदी या नौकरी के संकट के समय कम से कम 6 से 12 महीने का मासिक खर्च इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए। इसे आसानी से निकाले जा सकने वाले साधनों या सेविंग एकाउंट में रखना बहुत उपयोगी होता है।

**सुरक्षित निवेश:** संकट के समय शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव आते हैं। जैसा पिछले तीन महीने तक लगातार चले युद्ध के दौरान हम सबने देश-दुनिया में देखा। ऐसे में वित्तीय सलाहकार गोल्ड या सॉवरेन बॉन्ड जैसे सुरक्षित और स्थिर निवेश विकल्पों को पोर्टफोलियो का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं।

**लोन-ईएमआई का प्रबंधन:** बढ़ती ब्याज दरों के कारण लोन की किस्तें बढ़ सकती हैं। इसलिए सबसे पहले महंगे कर्ज (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया) को चुकाना चाहिए ताकि मासिक बोझ कम हो सके। इससे आप काफी राहत महसूस करेंगे।

**स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग:** वैश्विक तनाव के कारण विदेशों से आयातित सामानों की कीमत और उपलब्धता प्रभावित हो जाती है। साथ ही देश की मुद्रा भी प्रभावित होती है। इसलिए अपने दैनिक जीवन और व्यापार में स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाना सुरक्षित रहता है। इसलिए देश में बनने वाली चीजें ही खरीदें।

**आय के नए स्रोत अपनाएं:** नौकरी जाने से होने वाले संकट से बचने के लिए स्किल्स को अपग्रेड करते रहें और फ्रीलांसिंग, निवेश या ऑनलाइन माध्यमों से आय के अतिरिक्त स्रोत बनाने पर ध्यान दें, ताकि आय का एक स्रोत बाधित हो तो दूसरे का सहारा मिले।

**महंगी देनदारियों से छुटकारा पाएं:** हाई इंट्रेस्ट वाले लोन, जैसे क्रेडिट कार्ड का बकाया या पर्सनल लोन में आपकी मेहनत की कमाई का एक बड़ा भाग खर्च होता है और आपकी बचत कमजोर होती है। ऐसे में आप इन उच्च ब्याज वाले कर्ज का भुगतान जल्द से जल्द करें। इससे जो पैसा आप ब्याज बचाने में लगाते हैं, उसे रिटायरमेंट फंड में निवेश किया जा सकता है।

**पर्याप्त बीमा कवर करें:** अचानक कोई बीमारी या दुर्घटना होने पर किसी पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ जाता है। इससे राहत के लिए टर्म लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीज जरूर लेना चाहिए।

**समय के साथ रिटायरमेंट फंड बढ़ाएं:** महंगाई दर समय के साथ पैसे के मूल्य को कम करती है। आपकी लाइफस्टाइल और खर्च रिटायरमेंट के समय तक बढ़ जाएंगे। इसलिए अपनी रिटायरमेंट योजना की नियमित रूप से समीक्षा करें (कम से कम सालाना)। जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती है (वेतन वृद्धि, बोनस), अपने मंथली रिटायरमेंट इन्वेस्टमेंट फंड को भी बढ़ाएं।

कहने का सार है कि इस दौर में सही इंवेस्टमेंट, सेविंग्स और बजट से ना केवल आपको फाइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी, बल्कि फ्यूचर की कई परेशानियों से भी बचा जा सकता है। *

**(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड एकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)**

प्रकृति / अंजू जैन

देश-दुनिया में अनेक ऐसी नदियां हैं, जो अपनी विविध उपयोगिताओं के साथ-साथ अपने अद्भुत सौंदर्य के लिए भी जानी जाती हैं। विश्व की कुछ सबसे खूबसूरत नदियों के बारे में जानिए।

## दुनिया की सबसे खूबसूरत नदियां

नदियां इस धरती पर मानव सभ्यता के विकास का केंद्र रही हैं। इसके अलावा यातायात का अनूठा मार्ग होने के साथ ही ये किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इसके अलावा कई शहरों में पेय जल की आपूर्ति और सिंचाई के लिए भी नदियों का उपयोग सदियों से होता आ रहा है। इन खूबियों के अलावा देश-दुनिया भर में कई नदियां अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत पारिस्थितिकी के लिए भी जानी जाती हैं।

**कानो क्रिस्टेलस कोलंबिया:** कोलंबिया के मेटा प्रांत में सेरानिया-डे ला मैकेरेना नेशनल पार्क में स्थित यह नदी बेहद खूबसूरत और जादुई लगती है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रंग बदलने की क्षमता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कानो क्रिस्टेलस की यात्रा आपको प्रकृति के बिल्कुल करीब ले जाती है और यह ईको-टूरिज्म का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसे पांच रंगों की नदी भी कहा जाता है। पानी का रंग बदलने का मुख्य कारण नदी में मौजूद मैक्रेनिया क्लेविगेरा नामक शैवाल हैं। बारिश के मौसम में जब इनको सही धूप और पानी मिलता है, तो ये चमकीले लाल और अन्य रंगों में खिल जाते हैं। इन्हीं के कारण पानी के नीचे लाल, पीला, हरा, नीला और काला रंग दिखाई देता है। इसीलिए कानो क्रिस्टेलस नदी को लिक्विड रेनबो यानी तरल इंद्रधनुष भी कहते हैं। यह अद्भुत नजारा मुख्य रूप से जुलाई से नवंबर के बीच (वर्षा ऋतु के दौरान) दिखाई देता है।

**ली नदी, चीन:** चीन की 'ली' नदी के आस-पास स्थित नुकीले चूना पत्थर के पहाड़ इसे किसी पारंपरिक चीनी पेंटिंग जैसा दृश्य प्रदान करते हैं। गुइलिन से यांग्शुओ तक बहने वाली यह नदी चूना पत्थर के ऊंचे पहाड़ों के बीच से गुजरती है। यह दृश्य इतना आइकॉनिक है कि इसे चीन के 20 युआन के नोट पर भी दर्शाया गया है। सदियों से इस नदी ने चीनी चित्रकारों और कवियों को प्रेरित किया है।

**सोका नदी स्लोवेनिया:** यह नदी अपनी शुद्धता और पन्ना जैसे हरे रंग के कारण प्रसिद्ध है। इसे प्यार से 'पन्ना ब्यूटी' कहा जाता है। यह नदी आल्प्स पर्वतमाला से निकलती है और अपनी पूरी लंबाई के दौरान अपना जादुई रंग बरकरार रखती है, जो कि बहुत दुर्लभ है। जुगैलियन आल्प्स से बहने वाली यह नदी अत्यधिक साफ-सुथरी होने के लिए भी जानी जाती है।

**फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना/चिली:** फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना और चिली के उत्तरी पेटागोनिया क्षेत्र में स्थित एक बेहद शानदार और प्राकृतिक रूप से समृद्ध नदी है। पेटागोनिया के पहाड़ों से निकलने वाली यह नदी अपने आश्चर्यजनक रूप से साफ, फिरोजी नीले पानी और शानदार राफ्टिंग रूट्स के लिए जानी जाती है। यह अपनी बेमिसाल सुंदरता, उग्र जलधाराओं और विश्व-स्तरीय साहसिक खेलों के केंद्र के रूप में दुनियाभर में मशहूर है। मापुचे भाषा में 'फुटालेउफू' का अर्थ 'बड़ी नदी' होता है। स्थानीय लोग इस घाटी को 'उन पैसजे पिंटाडो पोर डियोस' अर्थात ईश्वर द्वारा चित्रित परिदृश्य कहते हैं। इस नदी का उद्गम, अर्जेंटीना के यूनेस्को संरक्षित लॉस एलर्सेस राष्ट्रीय उद्यान के हिमनदों की पिघली हुई बर्फ से होता है। यह नदी अर्जेंटीना और चिली देश की सीमा को पार करती है। यह चिली के बेहद खूबसूरत लॉस लागोस क्षेत्र से बहते हुए अंततः प्रशांत महासागर में जाकर गिरती है। फुटालेउफू नदी दुनिया के बेहतरीन व्हाइटवॉटर कयाकिंग और राफ्टिंग स्थलों में से एक है। इसके तीव्र बहाव, क्रिस्टल-क्लियर नीले पानी और विशाल घाटी के बीच राफ्टिंग करने का अनुभव रोमांच प्रेमियों के लिए खास है। *

### अत्यंत स्वच्छ-सुंदर नदी उमंगोट

**अपने देश** के मेघालय की दावकी नदी के नाम से मशहूर उमंगोट नदी दुनिया की सबसे साफ नदियों में से एक है। इसका पानी इतना पारदर्शी है कि इसमें चलने वाली नाव हवा में तैरती हुई सी प्रतीत होती है। यह नदी अपनी असाधारण पारदर्शिता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इसका पानी इतना साफ है कि नदी तल के पत्थर और मछलियां 8 मीटर की गहराई तक स्पष्ट दिखाई देते हैं। यह नदी भारत और बांग्लादेश के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। स्थानीय समुदायों द्वारा इसकी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

आगामी 3 जुलाई को रिलीज होने वाली यशराज बैनर की फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह जबर्दस्त एक्शन करती दिखेंगी। यह फिल्म उन्होंने क्यों एक्सेप्ट की? अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ एक्टिंग करने के कैसे एक्सपीरियंस रहे? इस फिल्म के साथ प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ से जुड़े सवाल आलिया भट्ट से।

## एक्शन-रोमांच से भरपूर 'अल्फा' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा: आलिया भट्ट

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चा में हैं। आलिया अपनी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में आलिया भट्ट ने फिल्म 'अल्फा' में काम करने के अनुभव के साथ-साथ अपनी प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ को लेकर खास बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

**अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर आप इन दिनों बहुत उत्साहित हैं। इस फिल्म में काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा ?**

'अल्फा' की शूटिंग करते हुए मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। यह किसी फिल्म के सेट पर मेरे सबसे मजेदार और यादगार अनुभवों में से एक रहा। यशराज के स्पाई यूनिवर्स बैनर के एक्शन-रोमांच से भरे इस भव्य प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा। इस फिल्म को करते वक्त मैंने उन चैलेंजेज को फेस किया, जिनका मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। मैं इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म के सेट पर जाने के लिए हमेशा उत्साहित रहती थी। मैंने इसका हर मिनट पूरी तरह से एंज्वॉय किया।

'अल्फा' के एक सीन में शरवरी वाघ के साथ आलिया भट्ट

**इस फिल्म को साइन करते वक्त फिल्म की कौन-सी बात ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?**

वैसे तो इस फिल्म में बहुत सारी बाते हैं, जिसने मुझे फिल्म करने के लिए इंस्पायर किया, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा यह बात पसंद आई कि इस फिल्म के केंद्र में दो महिलाएं हैं, जो पूरी एक्शन स्टोरी को आगे बढ़ा रही हैं। बॉलीवुड फिल्मों में ऐसा हमें बहुत कम देखने को मिलता है। 'अल्फा' एक एटीट्यूड का जश्न है।

**इस फिल्म में आप के साथ शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी हैं, इन सभी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?**

'अल्फा' फिल्म में काम करने के अनुभव को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि मुझे इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। चाहे फिल्म के निर्देशक शिव रवैल हों, हमारे को-एक्टर्स शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल हों या एक्शन टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाला पूरा क्रू ही क्यों ना हो, इस फिल्म को लेकर सभी के भीतर जबरदस्त उत्साह था। वो एनर्जी, वो वाइब दर्शकों को पर्दे पर भी दिखाई देगी।

**'अल्फा' फिल्म के लिए भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने आप को स्पेशल ट्रेनिंग दी है, इस बारे में कुछ बताएंगी ?**

हां, भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस फिल्म के लिए मुझे बहुत अच्छी ट्रेनिंग दी है। मैंने उनसे जिंदगी जीने का असली फलसफा भी सीखा है कि जिंदगी में कभी हार नहीं माननी चाहिए, हमेशा हौसले बुलंद रखने चाहिए।

**'अल्फा' के अलावा आप और कौन-कौन सी फिल्में कर रही हैं ?**

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' कर रही हूं। इसके अलावा 'चामुंडा', 'जी ले जरा' जैसी कुछ फिल्में लाइनअप हैं।

**आपके पसंदीदा डायरेक्टर्स कौन हैं, जिनके साथ आप काम करने की इच्छा रखती हैं ?**

मैं राजकुमार हिरानी, अयान मुखर्जी और जोया अख्तर के साथ फिल्म करने की इच्छा रखती हूं। ये सभी मेरे पसंदीदा डायरेक्टर्स हैं।

**आपके कोई तीन सीक्रेट्स या कमजोरी, जो आप अपने फैंस के साथ शेयर करना चाहेंगी ?**

(हंसते हुए) मुझे अंधेरे से डर लगता है, मुझे जोर से डकार लेने की आदत है और मैं इमोशनल सॉन्ग्स सुनकर कई बार रो पड़ती हूं। इन्हें आप मेरी वीकनेस मान सकती हैं। *

### सब मैनेज करना पड़ता है

**आलिया सक्सेसफुल** एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक अच्छी वाइफ और मां भी हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच बैलेंस बनाना, उनके लिए कितना आसान या मुश्किल होता है? यह पूछे जाने पर आलिया कहती हैं, 'आसान तो कुछ भी नहीं होता, सब मैनेज करना पड़ता है। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि अगर आपको घर वालों का सपोर्ट मिले तो कई सारी मुश्किलें आसान हो जाती हैं। मुझे अपनी फैमिली का प्यार और सपोर्ट किसी न किसी रूप में मिलता रहता है। फिर चाहे मेरे पति रणबीर हों, बेटी राहा हो या सास नीतू सिंह क्यों ना हों। सासू मां और राहा तो मेरी जान हैं। स्पेशली सासू मां से मैंने सीखा कि जिंदगी में चाहे कितने ही उतार-चढ़ाव आ जाएं, हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा पॉजिटिव सोच रखनी चाहिए। राहा से मैंने हमेशा खुश रहना सीखा है। जहां तक मेरे पति रणबीर की बात है तो वह मेरी जिंदगी का वो खूबसूरत एहसास हैं, जिनकी मैं शुरू से फैन थी। जहां वो पर्सनल लाइफ में शांत पति हैं, वहीं एक जिम्मेदार पिता भी हैं। हमारी बेटी राहा में तो उनकी जैसे जान ही बसती है।